

## शालिनी

मानौ गो चच्छालिनी वेदलोके:

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - - ( 4. 7 )

Ex. अघो हन्ति ज्ञानवृद्धि विधत्ते  
धर्म दत्ते काममर्थं च सूते ।मुक्तिं दत्ते सर्वदोषास्यमाना  
पुंसां भद्राश्चालिनी विष्णुभक्तिः ॥

See Sis. xviii.

## भ्रमरविलसिता

( Also named भ्रमरविलसित )

मो गो नौ गो भ्रमरविलसिता

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - -

Ex. मुग्धे मानं पारिहर न चिरात्  
तारुण्यं ते सफलयतु हरिः ।कुला बल्ली भ्रमरविलसिता-  
भावे शोभां कलयति किमु ताम् ॥

## रथोद्धता

रात्परैर्वैरलगै रथोद्धता

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - -

Ex. राधिका दधिबिलोडनस्थिता  
कृष्णवणुनिनदैरथं द्युता ।यामुनं तटनिजं जगमा  
सा जगाम सलिलाहतिच्छलात् ॥

See Sis. xiv.; R. xi., xix.

## स्वागता

स्वागता रनभगैर्गुरुणा च

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - -

Ex. यस्य चेतसि सदा मुरवैरी  
बल्लवीजनविलासविलोलः ।

तस्य नूनममरालयभाजः

स्वागतादरकरः मुरराजः ॥

See Sis. x., Kir. ix.

## दोधक

दोधकमिच्छति भवितयाज्ञौ

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - -

Ex. देव सर्वोप-कदेवतलस्थ

भीधर तावकनामपदं मे ।

कठतलेऽमुर्विनिर्गमकाले  
स्वल्पमपि क्षणमेव्यति योगम् ॥

## 12 Syllables in a verse ( जगती )

## वंशस्थविल

( Also named वंशस्थ and वंशस्तनित )

वदति वंशस्थविलं जतीं जरी

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - -

Ex. विलासवंशस्थविलं मुखानिलैः

प्रपूर्य यः पञ्चमरागगुणैरनु ।

ब्रजगानानामपि गानशालिनां

जहार मानं स हरिः पुनानु नः ॥

See R. iii.; K. S. v.; Sis. i.

## द्वंद्ववंशा

तच्चद्वंद्वंशा प्रथमाक्षरे गुरौ

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - -

Ex. द्वैतद्वंद्वंशाभिरुदीर्णदीधितिः

पीनांबरोसौ जगतां तमोपहः ।

यस्मिन्ममज्जुः शालभा इव स्वयं

ते कंसचाणूरमुखा मरुद्विषः ॥

## जलधरमाला

अभ्यंगैः स्वाज्जलधरमालां भूमी स्मौ

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - - ( 4. 8 )

Ex. धूमाकारं दधति पुरः सौवर्णं

वर्णेनग्निः सदाशितं तटे पश्यामी ।

श्यामांभूताः कुसुमसमूहेऽलीनां

लीनामालीमिह तरवो विभ्राणाः ।

Sis. iv. 30.

## जलोद्धतगति

रसैर्जसजसा जलोद्धतगतिः

Sch. - - - | - - - | - - - | - - - | - - -

( 6. 6 )

Ex. सनाकवानितं नितंबरुचिरं

चिरं मुनिनदैर्नदैर्नृतममुम् ।